

21/8/2023

पञ्जील पतावनी देश हरे श्री माया महापरिवादा का  
कार का भाव लक्षण मही किन्तु न ही न  
माया स्वयं व न ही आका नभिकला उपर

नाम: प्रवीण का मा. पत्र प्रथम पंजी  
प्रथम हाथी में खारिज किया जाता है पतावली  
केसला सुभाष लेकर गैर से काम की जाकर  
दरिद्रता हटकर है

Dyendre